

This question paper contains 2 printed pages]

Roll No.

--	--	--	--	--	--	--	--	--	--	--	--	--	--	--	--	--	--	--	--

S. No. of Question Paper : 4457

Unique Paper Code : 210451

C

Name of the Paper : Ethics-II (Discipline-I)

Name of the Course : B.A. (Prog.)

Semester : IV

Duration : 3 Hours

Maximum Marks : 75

(Write your Roll No. on the top immediately on receipt of this question paper.)

Note : Answers may be written *either* in English *or* in Hindi; but the same medium should be used throughout the paper.

टिप्पणी : इस प्रश्न-पत्र का उत्तर अंग्रेज़ी या हिन्दी किसी एक भाषा में दीजिए; लेकिन सभी उत्तरों का माध्यम एक ही होना चाहिए ।

Attempt *five* questions in all, *two* from each section
and *one* from any Section.

All questions carry equal marks.

कुल पाँच प्रश्नों के उत्तर दीजिये, दो प्रश्न प्रत्येक खंड से अनिवार्य
हैं और पाँचवें प्रश्न का उत्तर किसी भी खंड से दे सकते हैं।
सभी प्रश्नों के अंक समान हैं ।

Section A

(खण्ड 'अ')

1. What is euthanasia ? Do you consider it to be morally justifiable ? Discuss.
इच्छा मृत्यु क्या है ? क्या आप इसे न्यायसंगत मानते हैं ? विवेचना कीजिए।
2. Discuss the problem of female foeticide from a moral point of view.
नैतिक दृष्टिकोण से स्त्री भ्रूणहत्या की समस्या की विवेचना कीजिए।

P.T.O.

3. Is capital punishment justifiable in the present context ? Discuss.

क्या मृत्युदंड वर्तमान संदर्भ में न्यायसंगत है ? विवेचना कीजिए।

4. "Animals were created only to be a means to human ends." Comment.

"पशुओं की सृष्टि केवल इसलिए की गई थी कि वे मानव के साध्यों का साधन ही रहें।" टिप्पणी कीजिए।

Section B

(खण्ड 'ब')

5. Discuss Gandhi's doctrine of non-violence.

गाँधीजी के अहिंसा विषयक सिद्धांत की विवेचना कीजिए।

6. 'Niskama Karma is a cessation of desire but not action.' Comment.

'निष्काम कर्म अभिलाषाओं की समाप्ति है ना कि कर्म की।' टिप्पणी कीजिए।

7. What are Purusarthas ? Explain its significance.

पुरुषार्थ क्या हैं ? इसके महत्व की व्याख्या कीजिए।

8. Discuss ethical teachings of Jainism.

जैन धर्म की नैतिक शिक्षाओं की विवेचना कीजिए।